# MP Board Class 8th General English Notes Chapter 12 Know More About

**Know More About Summary**

1. It was the middle of June, and it had not rained for several weeks. The grass was brown, the leaves of the trees were covered with dust. Some people in their traditional dresses and turbans on their heads were standing and talking. A young boy Sattu pedalled off down the main road of the village, scattering the stray hens and the villagers. Just then a visitor came there.

अनुवाद:
जून माह का मध्य था और कई सप्ताहों से वर्षा नहीं आयी थी। घास भूरी हो चुकी थी, पेड़ों की पत्तियाँ धूल से ढक गई थीं। कुछ लोग अपनी पारम्परिक वेश-भूषा में सिर पर पगड़ियाँ पहने हुए खड़े होकर बात-चीत कर रहे थे। एक युवक सत्तू गाँव की मुख्य सड़क पर मुर्गियों और लोगों को हटाते हुए साइकिल पर आया। तभी वहाँ एक आगन्तुक आया।

2. Visitor : Hey, will you please help me ?
Sattu : Why not ? But what type of help do you want?
Visitor : Could you please tell me the name of this village as well as your name?
Sattu : The name of my village is Khattali and mine is Sattu.
Visitor : I would like to know more about your society, its lifestyle, its art and culture, its food and festivals.
Sattu : I belong to the Bhil tribe. My uncle is a Guruji in our village school and he can tell you more about our lifestyle, art, festivals etc.
Vistor : That's fine. I will be delighted to meet him. Let's go. (Sattu takes him to his uncle.)
Sattu : Meet my uncle, Shri Jam Singh.

अनुवाद:
आगन्तुक – अरे, सुनो! क्या तुम मेरी सहायता करोगे ?
सत्तू – क्यों नहीं ? लेकिन आपको किस प्रकार की सहायता चाहिए ?
आगन्तुक – क्या तुम मुझे अपने गाँव का और अपना नाम। बताओगे ?
सत्तू – मेरे गाँव का नाम खत्तली है और मेरा नाम सत्तू है।
आगन्तुक – मैं तुम्हारे समाज,
उसके रहन – सहन, कला और सभ्यता, भोजन एवं पर्यों के बारे में अधिक जानना चाहूँगा।
सत्तू – मैं भील जनजाति का हूँ।
मेरे चाचा हमारे गांव के विद्यालय में गुरुजी हैं और वे आपको हमारे रहन – सहन, कला, त्यौहारों आदि के बारे में अधिक जानकारी दे सकते हैं।
आगन्तुक – बहुत अच्छा, मुझे उनसे मिलकर बेहद प्रसन्नता होगी। चलो चलते हैं।
(सत्तू उन्हें अपने चाचा के पास ले जाता है।)
सत्तू-मेरे चाचा श्री जाम सिंह से मिलिए।

3. Jam Singh : Hello, Sir!
Visitor : Hello Jam Singh !
Sattu : Kako ! He wants to know about our
society, our life style, festivals, art and culture.
Jam Singh : We belong to the Bhil tribe. It is believed that the word 'Bhil' is derived from the Dravidian word for bow (Tamil and Kannada bil) which is our characteristic weapon.
Visitor : Do we find Bhils in other parts of India also ?
Jam Singh : Yes, besides Madhya Pradesh we're also found in Gujrat, Rajasthan and Maharashtra. But the maximum Bhil population is in M.P. mainly in districts – Jhabua, Dhar,Khargone,Barwani, Ratlam etc.
(Jam Singh and the visitor go round the village and stop in front of a house.)

अनुवाद:
जाम सिंह – नमस्ते, श्रीमान्।
आगन्तुक – नमस्ते, जाम सिंह!
सत्तू – काको! यह हमारे समाज,
हमारे रहन – सहन, त्यौहारों, कला और सभ्यता के बारे में जानना चाहते हैं।
जाम सिंह – हम भील जनजाति के हैं। ऐसा माना जाता है कि 'भील' शब्द की उत्पत्ति कमान के लिए द्रविड़ शब्द 'बो' (तमिल और कन्नड़ में बिल) से हुई है जो हमारा विशिष्ट शस्त्र है।
आगन्तुक – क्या भील जनजाति भारत के अन्य भागों में भी पाई जाती है।
जाम सिंह – हाँ, मध्य प्रदेश के अतिरिक्त हमारी जाति गुजरात, राजस्थान, और महाराष्ट्र में भी पाई जाती है। लेकिन सबसे अधिक भीलों की जनसंख्या मध्य प्रदेश में, मुख्यतया झाबुआ, धार, खरगौन, बरवानी, रतलाम आदि जिलों में है।
(जाम सिंह और आगन्तुक गाँव का चक्कर लगाते हैं और एक घर के आगे रुक जाते हैं।)

4. Visitor : What a beautiful house ! Tell me something about your houses.
Jam Singh : We love forests and therefore settle near forests. We get several types of forest products, wood and bamboo to build our houses. Our houses are mainly made up of wood, bamboo and with tiled roofs. The bamboo walls are plastered with mud and cowdung. The walls are decorated with Pithora painting. Some, who are good at wood carving carve designs on the pillars and the doors of their houses. There is always a cattle shed adjoining a house. Some people construct pucca and semi-pucca houses also.

अनुवाद:
आगन्तुक – कितना सुन्दर घर है ? अपने घरों के बारे में। हमें बताइए।
जाम सिंह – हमें जंगल प्रिय लगते हैं इसलिए हम जंगलों के निकट बसते हैं। हमें अपने मकानों को बनाने के लिए कई प्रकार के वनोत्पाद, लकड़ी और बाँस मिल जाते हैं। हमारे घर मुख्यतया लकड़ी, बाँस और खपरैल की छत के बने होते हैं। बाँस की दीवारों पर मिट्टी और गोबर से पलस्तर किया जाता है। दीवारों को पिथौरा चित्रकला से सजाया जाता है। कुछ लोग जो लकड़ी पर नक्काशी करने में निपुण हैं, वे अपने घरों के दरवाजों, और खम्भों पर आकर्षक नक्काशी करते हैं। घर के बगल में सदैव एक पशुओं का बाड़ा होता है। कुछ लोग पक्के या आधे पक्के – कच्चे मकान भी बनाते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

5. Visitor : Will you please tell me which other
tribal people live in Madhya Pradesh ?
Jam Singh : Other tribes which live in Madhya
Pradesh are Gonds, Korkus, Baigas, Bhariyas etc.
Visitor : I've heard about Gudani, Bundani and Cheenha ? What are they?
Jam Singh : These are art forms of Korkus and Gonds. Korkus decorate their doors by "Gudani" and their walls by "Bundani" and "Cheenha" is a colourful wall – painting of the Gonds.
Visitor : Now-a-days these art forms are getting recognition at the international level also. I think Pema Fatya and Ram Singh Urveti also belong to your society.
Jam Singh : Pema Fatya is a Bhil artist but Ram Singh Urveti is a Gond artist.

अनुवाद:
आगन्तुक – क्या तुम मुझे मध्य प्रदेश में रहने वाले अन्य . जनजातीय लोगों के बारे में बताओगे ?
जाम सिंह – अन्य जनजातियाँ जो मध्य प्रदेश में रहती हैं गोंड, कोओ, बैगा, भारिया आदि हैं।
आगन्तुक – मैंने गुदानी, बुन्दानी और चीन्हा के बारे में सुना है। ये क्या हैं ?
जाम सिंह – ये कोर्कुस और गोंड जाति के कला के प्रकार हैं। कोर्कुस अपने दरवाजों को 'गुन्दानी' से और दीवारों को 'बुन्दानी' से सजाते हैं और 'चीन्हा' गोंड जाति की एक रंग-बिरंगी भित्ति चित्रकला है।
आगन्तुक – आजकल ये चित्रकलाएँ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना रही हैं। मेरा विचार है कि पेमा फात्या, राम सिंह उर्वेती भी आपके समाज से सम्बन्धित हैं।
जाम सिंह – पेमा फात्या एक भील कलाकार है लेकिन रामसिंह उर्वेती एक गोंड कलाकार है।
6. Visitor : Somewhere in a magazine I came across a word "Gatla". What is it?
Jam Singh : Actually it is a memory pillar which is stone – carved and oil – painted. It is erected by the Bhils in the memory of a family member who has met with an unnatural death.
Visitor : Tell me something about your dresses.
Jam Singh : Oh ! Yes, the men wear dhoti, bandee and coloured turban and the females wear colorful ghaghara with polka, kanchali etc.
Visitor : I've heard that you people are very fond of ornaments ?
Jam Singh : Yes, we are very fond of ornaments.
Both men and women wear ear – rings and finger rings. Other ornaments are hansli, har, jhumka, nose pin etc.

अनुवाद:
आगन्तुक – मैंने एक पत्रिका में कहीं 'गतला' शब्द के बारे में पढ़ा था। यह क्या है ?
जाम सिंह – वास्तव में, यह एक स्मृति स्तम्भ है जिस पर पत्थर की नक्काशी होती है और तैल रंगों से रंगा होता है। यह भीलों द्वारा अपने परिवार के सदस्य की स्मृति में बनवाया जाता है जिसकी मृत्यु अप्राकृतिक तरीके से हो गई हो।

आगन्तुक – अपने कपड़ों (पहनावे) के बारे में मुझे कुछ बताइए।
जाम सिंह – हाँ अवश्य! पुरुष धोती, बन्डी और रंगीन पगड़ी पहनते हैं और स्त्रियाँ रंग-बिरंगे घाघरे, पोलका और काँछली के साथ पहनती हैं।
आगन्तुक – मैंने सुना है कि आप लोग आभूषणों के बहुत शौकीन होते हैं।
जाम सिंह – हाँ, हमें आभूषणों का बहुत शौक है। पुरुष और स्त्री दोनों ही कानों में बाली और अंगूठियाँ पहनते हैं। अन्य आभूषण हंसली, हार, झुमका, नथ आदि हैं।

7. Visitor : It seems that tattos are quite common in your society.
Jam Singh : Yes, it is quite customary amongst us. We call it "Godana."
Visitor : I'll be pleased to know more about your fairs and festivals.
Jam Singh : We celebrate 'Divasa', 'Diwali', 'Navai' (a festival when people start consuming corn and other agricultural products, vegetables etc. after offering them to God).
Visitor : I've heard a lot about the "Bhagoria Haat". What's that?
Jam Singh : The weekly market a week before Holi, is celebrated as Bhagoria. We dance, apply gulal on the face of our relatives and friends and offer them sweets and snacks, ice-candies etc. The children enjoy a ride on the swings.

अनुवाद:
आगन्तुक – ऐसा प्रतीत होता है कि टैटू (गोदना) आपके समाज में बहुत प्रचलित हैं।
जाम सिंह – हाँ, इसका हमारे बीच में आम रिवाज है। हम इसे गोदना कहते हैं।
आगन्तुक – मुझे आपके मेलों और त्यौहारों के बारे में जानकर प्रसन्नता होगी।
जामसिंह – हम 'दिवस', 'दीवाली', नवाई (एक त्यौहार जब लोग मक्का और अन्य कृषि उत्पाद, सब्जियाँ आदि देवता को भेंट करने के बाद खाना शुरू कर देते हैं) मनाते हैं।
आगन्तुक – मैंने भगोरिया हाट' के बारे में काफी सुना है। वह क्या है ?
जाम सिंह – होली से एक सप्ताह पहले के साप्ताहिक बाजार को भगोरिया हाट के रूप में मनाते हैं। हम नाचते हैं, दोस्तों व रिश्तेदारों के चेहरों पर गुलाल लगाते हैं और उन्हें मिठाइयाँ, नमकीन, आइस केंडी आदि भेंट करते हैं। बच्चे झूले पर झूलने का आनन्द उठाते हैं।

8. Visitor : Teejan Bai is a famous tribal singer of Pandvani music. Which dance forms are popular among Bhils?
Jam Singh : "Solo" is a famous dance of Bhils. Other dance forms, which are popular among the Bhils, are Lahari, Pali, Dandavadi, Ghodo, Dang Solo and Chalavadi.

अनुवाद:
आगन्तुक – तीजन बाई पंडवानी संगीत की एक प्रसिद्ध आदिवासी गायिका हैं। भीलों में कौन – सा नृत्य लोकप्रिय है ?
जाम सिंह – 'सोलो' भीलों का प्रसिद्ध नृत्य है। अन्य नृत्य के प्रकार जो भीलों में प्रचलित हैं, लहरी, पाली, डण्डावाड़ी, घोड़ों, ढंग सोलो और चालावाड़ी हैं।

https://www.evidyarthi.in/

9. Visitor : Rani Durgawati was a famous ruler
of the Gond dynasty. The palaces and different
folklores related to the rulers of the dynasty
throw some light on their administrative ability, bravery and mature leadership.
Jam Singh : Yes, the tribals of M.P. are known not only for their glorious cultural heritage and their colorful life style but also for their administrative system within their societies. Now I have to go because my nephew who had gone to exhibit his paintings in U.K., is about to come.
Visitor : Thank you, Jam Singh.
Jam Singh : You're welcome Sir.

अनुवाद:
आगन्तुक – रानी दुर्गावती गोंड राजवंश की एक प्रसिद्ध शासक थीं। गोण्ड वंश के शासकों से सम्बन्धित महल और विभिन्न लोक-कथाएँ उनकी प्रशासनिक योग्यता, वीरता और परिपक्व नेतृत्व पर प्रकाश डालती हैं।
जाम सिंह – हाँ, मध्य प्रदेश की जनजातियाँ न केवल अपने यशस्वी, सांस्कृतिक विरासत और सजीव, शानदार रहन-सहन के लिए जानी जाती हैं बल्कि अपने सामाजिक प्रशासनिक व्यवस्था के लिए भी जानी जाती हैं। अब मुझे जाना है क्योंकि मेरा भतीजा
जो ब्रिटेन में अपनी चित्र – कलाकृतियों को प्रदर्शित करने गया था, आने वाला है।
आगन्तुक – धन्यवाद, जाम सिंह। जाम सिंह-आपका स्वागत है, श्रीमान्।'